दैनिक भास्कर
बिलासपुर भास्कर 14-07-2025

निरीक्षण • संप्रेक्षण गृह में हर कमरे का लिया जायजा, खिड़कियों में जालियां, टाइल्स बदलने दिए निर्देश

चीफ जस्टिस सिन्हा बाल संप्रेक्षण गृह और मूक बधिक स्कूल पहुंचे, कहा- सीलन तत्काल दूर करें, बच्चों से जानी समस्याएं

लीगलरिपोर्टर | बिलासपुर

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने रविवार को बिलासपुर स्थित संप्रेक्षण गृह, नूतन चौक सरकंडा एवं शासकीय मूक बधिर विद्यालय तिफरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल भवनों की भौतिक स्थिति का गहन निरीक्षण किया, बल्कि बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी मूलभूत सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी भी ली।

सीजे सिन्हा ने संप्रेक्षण गृह के हर कमरे का निरीक्षण किया। बारिश के कारण भवन में आई सीलन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित मरम्मत एवं नवीनीकरण के निर्देश दिए। रसोई, रोशनी, शौचालय और खिड़कियों की जाली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान देते हुए टाइल्स बदलने व स्वच्छता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने किशोर न्याय बोर्ड के लंबित मामलों की जानकारी ली और प्रधान मजिस्ट्रेट को पुराने प्रकरण जल्द निपटाने कहा। रजिस्ट्रार जनरल, कलेक्टर, एसपी आदि मौजूद रहे।

सीजे ने रविवार को दो जगहों का निरीक्षण किया।

मूक और बधिर स्कूल में डॉक्टर की ड्यूटी लगाएं

सीजे ने शासकीय मूक बधिर विद्यालय, तिफरा में बच्चों से मुलाकात कर भोजन, चिकित्सा और स्वच्छता व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि हर सप्ताह एक विशेषज्ञ चिकित्सक की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लगाई जाए। विद्यालय भवन की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने मरम्मत, रसोई, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने ठोस कदम उठाने को कहा।

जॉइन करने के बाद से लगातार कर रहे निरीक्षण

गौरतलब है कि पदभार ग्रहण करने के बाद से चीफ जस्टिस सिन्हा राज्य भर के जिला न्यायालयों, केन्द्रीय जेलों, बाल संप्रेक्षण गृहों एवं दिव्यांग बच्चों के आवासीय विद्यालयों का निरंतर निरीक्षण कर रहे हैं। वे अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता और बच्चों के अधिकारों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उनकी पहल से साफ है कि न्याय केवल कोर्ट रूम तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन और सुलभ चिकित्सा व्यवस्था सुधारने पर जोर दे रहे हैं।